



लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)



कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय ने 21.03.2024 को परिसर के मंदिरों में स्वयं सफ़ाई कर पूजा अर्पण किया

प्रॉ आलोक कुमार राय कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्वयं मंदिरों की सफ़ाई करने के उपरांत पूजा अर्पण कर समस्त वातावरण को सुगंधमय एवं स्वच्छमय कर दिया । इस अवसर पर भारी संख्या में शिक्षक , कर्मचारी एवं छात्र छात्रावो ने बढ़ चढ़ कर सारे मंदिर प्रांगरों की सफ़ाई की ।

प्रातः सबसे पहले कुलपति महबूदाबाद हॉस्टल पहुँचे । वहाँ मंदिर की सफ़ाई उन्होंने सफ़ाई की और सारा छात्रावास हर्षोल्लास के साथ सफ़ाई में जुट गया । इसके बाद पुष्पा अर्पण कर सभी मूर्तियों को प्रमाण कर कुलपति जी हबीबुल्ला हॉस्टल पहुँचे और वहाँ के मंदिर की सफ़ाई की और मूर्तियों पर चंदन पुष्पपर्पण करे । वहाँ बड़ी संख्या में समस्त कर्मचारी और बच्चों ने मिलकर सफ़ाई की ।

तदोपरांत कुलपति जी ने कैलाश छात्रावास पहुँचकर । वहाँ स्थित मंदिर की सफ़ाई कर के विधिवत पूजन अर्चन किया । अपने कुलपति को इस सफ़ाई अभियान में देख कर सभी शिक्षक और छात्र भारी संख्या में उमड़ पड़े और पूरा परिसर में स्थित सभी मंदिरों में युद्धस्तर पर सफ़ाई करनी शुरू कर दी । दोपहर तक हर स्थान में, हर छात्रावास में सफ़ाई अभियान की तो होड़ लग गई और देखते देखते ही स्वच्छता एवं सुगंध से वातावरण राम मय हो गया । विश्वविद्यालय इस सफ़ाई के कारण एक नवीनतम स्वरूप को प्राप्त हुआ जो की राम मई का प्रतिरूप लग रहा था

इस अवसर पर हॉस्टल के प्रोवोस्ट डॉ ओ पी शुक्ला, डॉ महेंद्र अग्निहोत्री , डॉ बबीता जायसवाल , छात्र कल्याण डीन प्रो संगीता साहू , आर्ट्स कॉलेज की डॉ सुगंधा माहेश्वरी , डॉ गीतिका शुक्ला , रजिस्ट्रार ऑफिस के लगभग सभी अधिकारी उपस्थित रहे ।

इस आयोजन की अयोजनकर्ता प्रो मधुरिमा लाल निदेशक सांस्कृतिकी ने बताया कि माननीय कुलपति जी ने इस अवसर पर छात्र छात्राओ को अपने स्थान की शुद्धता के साथ अपने कर्म मन और वचन में भी शुद्धता एवं शालीनता रखने का संदेश दिया ।



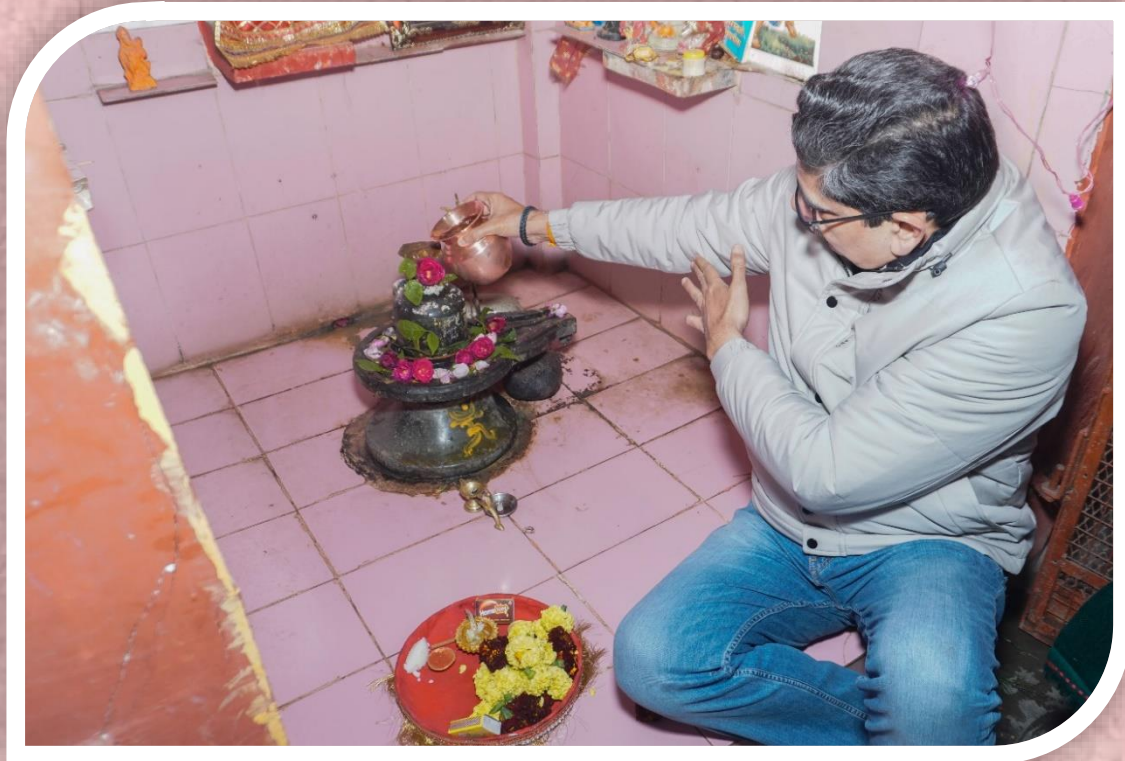
माननीय कुलपति जी की प्रेरणा से सभी स्थान पर सफ़ाई
अभियान में भारी संख्या में सब उमड़ पड़े



कुलपति जी महमोदाबाद हॉस्टल में मंदिर सफ़ाई करते हुए



कुलपति जी ने कैलाश हॉस्टल स्थित मंदिर में सफ़ाई के
उपरांत पूजा अर्चना की



कुलपति ने हबीबुल्ला मंदिर की सफ़ाई की





**The Report has been drafted by Anjali Yadav,
Research Scholar,
Under supervision of Prof. Madhurima Lall,
Faculty Of Commerce.
Department of Applied Economics,**

